

- 38 । इति स्कन्ध आसनम् ॥ १२२४ ॥ ४२
- 39 कर्णमूलं चूलिका स्या- ४३
- 40 दोषिका तत्तिकूटकम् । ४४
- 41 अपाङ्गदेशो निर्याणं ४५
- 42 गण्डस्तु करटः कटः ॥ १२२५ ॥ ४६
- 43 अवग्रहो ललाटं स्या- ४७
- 44 दारुतः कुम्भयोः ॥ १२२६ ॥ ४८
- 45 कुम्भौ तु शिरसः पिण्डौ ४९
- 46 कुम्भयोः रत्नं विडुः ॥ १२२७ ॥ ५०
- 47 वातकुम्भस्तु तस्याधो ५१
- 48 वाह्तिथं तु ततोऽप्यधः । ५२
- 49 वाह्तिथाधः प्रतिमानं ५३
- 50 पुच्छमूलं तु पेचकः ॥ १२२८ ॥ ५४
- 51 दत्तभागः पुरोभागः ५५
- 52 पक्षभागस्तु पार्श्वतः । ५६
- 53 पूर्वस्तु जङ्घादिदेशो गात्रं ५७

38. Widerrist des Elephanten (2 W.). — 39. Ohrwurzel des E. —  
 40. Augapfel des E. — 41. Ein äusserer Augenwinkel des E. —  
 42. Backe des E. (3 W.). — 43. Stirn des E. — 44. Die Gegend  
 unterhalb der beiden Erhöhungen auf der Stirn. — 45. Die beiden  
 Erhöhungen auf der Stirn des E. — 46. Die dazwischenliegende  
 Gegend. — 47. Die Gegend unterhalb der letztern. — 48. Die Ge-  
 gend unterhalb dieser. — 49. Die Gegend unterhalb der vorher-  
 gehenden, die Gegend zwischen den Fangzähnen. — 50. Schwanz-  
 wurzel des E. — 51. Das Vordertheil des Kopfes beim E. — 52.  
 Flanke des E. — 53. Vordertheil des E.